श्री शीतलनाथ भगवान का मंदिर, गंगरार

यह शिखरबंद मंदिर चित्तौड़गढ़ से (भीलवाड़ा जाने वाली सड़क पर) 20 किलोमीटर दूर ग्राम के मध्य में स्थित है। यह ग्राम बहुत प्राचीन है और कथनानुसार ग्राम के साथ ही आदिनाथ भगवान का मंदिर का निर्माण होना बताया गया। संवत् 1100 का निर्माण होने का उल्लेख है। समय काल के साथ क्षतिग्रस्त हो गया और बाद में पुनः जीर्णोद्धार होकर संवत् 2045 में नूतन रूप से प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई।

इस मंदिर में निम्न प्रतिमाएं स्थापित है :

1. श्री शीतलनाथ भगवान की (मूलनायक) श्याम पाषाण की 21'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 1909 माघ सुदि 5 का उल्लेख है।
2. श्री चन्द्रप्रभ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 13'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर सं. 1909 का लेख है।
3. श्री जिनेश्वर भगवान की 9'' ऊँची प्रतिमा है।
4. श्री पार्श्वनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 9'' ऊँची प्रतिमा है।
5. श्री धर्मनाथ भगवान की (मूलनायक के बाएं) श्वेत पाषाण की 10'' ऊँची प्रतिमा है।

6. श्री शीतलनाथ भगवान की (मूलनायक के दाएं) श्वेत पाषाण की 7'' ऊँची प्राचीन प्रतिमा है।

7. वेदी की दीवार के बीच प्रासाद देवी की 4'' ऊँची प्रतिमा स्थापित है।

उत्थापित धातु की प्रतिमाएं व यंत्र :

1. श्री नेमिनाथ भगवान की 9'' ऊँची प्रतिमा है। इस पर संवत् 2045 वैशाख शुक्ल 5 का लेख है।

दोनों ओर :

1. श्री गौमुख यक्ष की 10'' ऊँची प्रतिमा है।
2. श्री चक्रेश्वरी देवी की 10'' ऊँची प्रतिमा है।
3. श्री क्षेत्रपाल की चार प्रतीक मूर्तियां है।

सभामण्डप में चित्रपट्ट बने हैं – श्री गौतम स्वामी, पावापुरी, तारंगा जी, श्री घंटाघर महावीर, ऋषभदेव, नाकोड़ा भैरव आदि।

उपाश्रय बना है वहाँ पर सभी सम्प्रदाय के साधु भगवंत ठहरते हैं। प्राचीन मंदिर होने की अवस्था में खेती की जमीन भी होगी। ज्ञात करना चाहिये। इस मंदिर की देखरेख समाज द्वारा की जाती है।

वार्षिक ध्वजा भादवा सुदि 5 को चढ़ाई जाती है।

सम्पर्क सूत्र – श्री मिश्रीलाल जी कोठारी

श्री मोतीलाल जी आंचलिया फोन : 01471-220053